केन्द्रीय विद्यालय संगठन एर्नाकुलम संभाग
बोर्ड पूर्व परीक्षा 2025-26

विषय: हिंदी(आधार)-302

कक्षा: XII

निर्धारित समय: 3 घण्टे

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

1. प्रश्न पत्र कुल 80 अंक का है |
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के आगे अंकित है।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की संख्या 16 है ।
4. निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द सीमा में ही देने है।

	खण्ड-अ (वस्तुपरक प्रश्न)	
	अपठित बोध	अंक (18)
प्रश्न.1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :-**	**10**
1.	(ब) तेजी से और सटीक जानकारी प्राप्त करना	1
2.	(ब) कथन सही है, कारण सही है लेकिन कारण कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।	1
3.	(द) 1-B, 2-A, 3-C	1
4	क्योंकि विवेकपूर्ण उपयोग से ही वे तकनीक के लाभ उठाते हुए अपनी सोचने की क्षमता, समय प्रबंधन और मानसिक संतुलन बनाए रख सकते हैं।	1

5	(1) छात्रों की सोचने और समस्या सुलझाने की क्षमता कम हो सकती है। (2) डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्याएँ बढ़ सकती हैं।	2
6	(1) समय प्रबंधन करना, (2) आत्म-नियंत्रण बनाए रखना, (3) डिजिटल अनुशासन का पालन करना।	2
7	AI युवाओं के जीवन को सुविधाजनक बनाता है क्योंकि इससे अध्ययन, मनोरंजन और काम आसान हो गए हैं। उदाहरण: ऑनलाइन ट्यूटरिंग प्लेटफॉर्म और भाषा सीखने वाले ऐप्स छात्रों को पारंपरिक शिक्षा से अधिक सुविधा प्रदान करते हैं।	2
प्रश्न 2	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	**8**
1.	अ. वह एक सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण रखता है, लेकिन वह अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की कोशिश करता रहता है|	1
2.	अ. समय की बाधाएँ	1
3.	स. ①-iii , ②-i , ③-ii	1
4.	रास्ते में आने वाली रूकावट	1
5.	कवि ने फूलों की सरल और सुखद राह की बजाय शूलों (कठिनाइयों) का चयन इसलिए किया क्योंकि वे संघर्ष को जीवन का हिस्सा मानते हैं। कठिनाइयाँ ही उन्हें मजबूत बनाती हैं और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। कवि संघर्ष को ही सच्ची साधना समझते हैं।	2
6.	**संभावित शीर्षक:** *"अविराम पथिक"* या *"अडिग संकल्प"* यह शीर्षक उपयुक्त है क्योंकि पूरी कविता में कवि स्वयं को एक ऐसे पथिक के रूप में प्रस्तुत करता है जो विपत्तियों और बाधाओं से बिना	2

	डरे, अपने मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ता है।	
	खंड -ब (अभिव्यक्ति और मध्यम पाठ्य पुस्तक के आधार पर)	
प्रश्न 3	**निम्नलिखित अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए।**	**(6 अंक)**
	(क)सकारात्मक सोच जीवन को नई दिशा देती है। जब मनुष्य हर परिस्थिति में आशा बनाए रखता है, तो कठिनाइयाँ भी अवसर बन जाती हैं। नकारात्मक विचार जहाँ मन को कमजोर करते हैं, वहीं सकारात्मक विचार आत्मविश्वास जगाते हैं। ऐसी सोच व्यक्ति को समस्याओं से भागने के बजाय उनका समाधान खोजने की प्रेरणा देती है। सकारात्मक सोच से व्यक्ति का व्यवहार, संबंध और कार्यक्षमता सब पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। यह एक प्रकाश की तरह है जो अंधेरे में भी राह दिखाती है। वास्तव में, जीवन में बदलाव लाने की शुरुआत मन की सकारात्मकता से ही होती है। **(**ख)आजकल अनेक छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश जा रहे हैं। इसका मुख्य कारण वहाँ की उन्नत शिक्षा प्रणाली, बेहतर शोध अवसर और रोजगार की संभावनाएँ हैं। परंतु इस प्रवृत्ति से देश को प्रतिभाओं की कमी झेलनी पड़ती है। यदि भारत में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और रोजगार के अवसर बढ़ें, तो विद्यार्थी अपने देश में रहकर योगदान देंगे। विदेश जाकर ज्ञान अर्जित करना बुरा नहीं, लेकिन उस ज्ञान को मातृभूमि के विकास में लगाना हर विद्यार्थी का कर्तव्य होना चाहिए। **(**ग) वर्तमान समय में युवा पीढ़ी का खान-पान तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक भोजन की जगह फास्ट फूड ने ले ली है। इसका प्रभाव स्वास्थ्य पर नकारात्मक रूप से पड़ रहा है – मोटापा, थकान और मानसिक तनाव बढ़ रहे हैं। सुविधाजनक जीवनशैली ने पौष्टिकता को	

	पीछे छोड़ दिया है। आज आवश्यक है कि युवा स्वाद और सुविधा के साथ स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। संतुलित आहार ही शरीर और मन दोनों को सशक्त बना सकता है।	
प्रश्न 4	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-**	**2 ×4 =8**
	क. उल्टा पिरामिड शैली में सबसे महत्वपूर्ण जानकारी पहले दी जाती है और कम महत्त्वपूर्ण बातें बाद में। इसमें शीर्षक और आरंभिक पंक्तियाँ मुख्य तथ्यों पर केंद्रित होती हैं ताकि पाठक तुरंत समाचार का सार समझ सके।	
	ख. डेडलाइन का पालन इसलिए जरूरी है ताकि समाचार समय पर प्रकाशित या प्रसारित हो सके। इससे सूचना की ताजगी और विश्वसनीयता बनी रहती है। समय पर काम करने से समाचार की गुणवत्ता और प्रभावशीलता भी बढ़ती है।	
	ग. टेलीविजन में *लाइव* का अर्थ है किसी घटना या कार्यक्रम का सीधा प्रसारण। इसमें रिकॉर्डिंग नहीं होती बल्कि दर्शक घटना को उसी समय देखते हैं जब वह घट रही होती है, जिससे समाचार अधिक प्रामाणिक लगता है।	
	घ. फ्रीलांसर पत्रकार वे होते हैं जो किसी एक समाचार संस्था से स्थायी रूप से जुड़े नहीं रहते। वे स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और अपने लेख, रिपोर्ट या समाचार विभिन्न संस्थानों को भुगतान लेकर प्रदान करते हैं।	
	ड.समाचार लिखते समय मुख्य रूप से छः प्रश्न- क्या, कौन,कहाँ, कब, क्यों और कैसे का उत्तर देने की कोशिश की जाती है। इन्हें समाचार के छ: ककार कहा जाता है.	
प्रश्न-5	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (80 शब्दों में उत्तर दीजिए)**	**4 ×2** =8

	क. रेडियो नाटक लिखते समय संवाद, ध्वनि प्रभाव और दृश्यांकन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। संवाद पात्रों के स्वभाव, भावनाओं और स्थिति को व्यक्त करते हैं। ध्वनि प्रभाव (जैसे - बारिश, कदमों की आहट, दरवाज़ा खुलना) श्रोताओं को वास्तविक वातावरण का अनुभव कराते हैं। दृश्यांकन शब्दों और ध्वनियों के माध्यम से मानसिक चित्र बनाता है। उदाहरण - यदि संवाद में "आँधी आ रही है" कहा जाए और पीछे हवा की आवाज़ दी जाए, तो श्रोता दृश्य को अनुभव कर पाता है।	
	ख. एक प्रभावी रेडियो नाटक तैयार करने के लिए लेखक को कई बातों का ध्यान रखना चाहिए – कहानी रोचक और श्रवण योग्य होनी चाहिए, भाषा सरल और जीवंत हो, पात्रों के संवाद स्वाभाविक हों तथा ध्वनि प्रभाव उपयुक्त समय पर आएँ। नाटक में आरंभ, मध्य और अंत का संतुलन होना चाहिए। लेखक को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि रेडियो माध्यम केवल ध्वनि पर आधारित होता है, इसलिए वर्णनात्मकता और भावनात्मकता स्पष्ट होनी चाहिए।	
	ग. **फीचर** पत्रकारिता की एक ऐसी विधा है जिसमें किसी विषय, व्यक्ति, घटना या सामाजिक मुद्दे को रोचक और विस्तारपूर्ण रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह केवल तथ्य नहीं बताता बल्कि विश्लेषण, उदाहरण और भावनात्मक पक्ष भी जोड़ता है। फीचर लिखते समय विषय चयन, आकर्षक शीर्षक, प्रभावी शुरुआत, तार्किक क्रम और सारगर्भित निष्कर्ष आवश्यक होते हैं। इसमें भाषा संवादात्मक और शैली वर्णनात्मक होती है जिससे पाठक की रुचि बनी रहती है।	
	खंड- स पाठ्यपुस्तक 'आरोह भाग 2' एवं वितान भाग -2 पर आधारित	

	प्रश्न	
प्रश्न-6	**निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए :-**	**1×5=5**
1.	(ब) कवि के हृदय में प्रेम और करुणा की भावना है	1
2.	(स) A सत्य है, पर R असत्य है।	1
3.	स) आत्मानुभूति और मौलिकता	1
4.	(ब) कलात्मक और आत्मिक स्वायत्तता	1
5.	(ब) प्रेम और संवेदना से जुड़े अस्तित्व का	1
प्रश्न-7	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर(लगभग 60 शब्दों में) दीजिए-**	**3×2 =6**
	क भाषा को सहूलियत से बरतने का मतलब है – उसे सरल, स्पष्ट और सही ढंग से प्रयोग करना ताकि विचार प्रभावी रूप से व्यक्त हो सकें। सरल भाषा व्यक्ति की सोच को स्पष्ट बनाती है और संवाद को सहज करती है। उदाहरण के लिए, जो व्यक्ति भाषा को सही तरीके से उपयोग करता है, वह अपने विचारों को बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर पाता है।	
	ख कवि को कागज का पन्ना एक चौकोर खेत की तरह लगता है। इस खेत में किसी अंधड़ अर्थात भावनात्मक आँधी के प्रभाव से किसी क्षण एक बीज बोया जाता है। यह बीज रचना, विचार और अभिव्यक्ति का हो सकता है। यह कल्पना का सहारा लेकर विकसित होता है और इस प्रक्रिया में स्वयं गल जाता है। उससे शब्दों के अंकुर निकलते हैं और अंतत: कृति एक पूर्ण स्वरूप ग्रहण करती है जो कृषि-कर्म के लिहाज से पुष्पित पल्लवित होने की स्थिति है। साहित्यिक कृति से जो अलौकिक रस-धारा फूटती है, वह क्षण में होने वाली रोपाई का ही परिणाम है। पर यह रस-धारा अनंत काल तक चलने वाली कटाई से कम नहीं होती। खेत में पैदा होने वाला	

	अन्न कुछ समय के बाद समाप्त हो जाता है, किंतु साहित्य का रस कभी समाप्त नहीं होता।	
	ग पंक्ति *"जन्म से ही वे लाते हैं अपने साथ कपास"* में कपास को बच्चों की कोमलता, मासूमियत और पवित्रता का प्रतीक बताया गया है। जैसे कपास मुलायम और शुद्ध होती है, वैसे ही बच्चे भी निष्कपट, संवेदनशील और प्रेम से भरे होते हैं। यह पंक्ति बाल-स्वभाव की पवित्र सुंदरता को दर्शाती है।	
प्रश्न-8	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर(लगभग 40 शब्दों में) दीजिए-**	**2×2 =4**
	क) कविता *'कैमरे में बंद अपाहिज'* में कवि दिखावे की करुणा के पीछे छिपी क्रूरता को उजागर करता है। समाज अपाहिजों को सहानुभूति का पात्र बनाकर प्रसिद्धि पाना चाहता है, पर उनकी वास्तविक पीड़ा और संवेदना को अनदेखा करता है।	
	ख) कवि ने प्रातःकाल के आकाश की तुलना नीले शंख से की है, जिससे आकाश की शीतल, शांत और सौंदर्यपूर्ण छवि सामने आती है। यह उपमा प्रकृति की निर्मलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक है, जो मन में सुकून और प्रसन्नता भर देती है।	
	ग) *'बादल राग'* कविता में कवि ने बादलों को जीवन के नव-निर्माण का प्रतीक माना है। बादलों की गड़गड़ाहट और वर्षा को उन्होंने सृजन की ऊर्जा से जोड़ा है। यह रचना आशा, नवजीवन और सृजनात्मक परिवर्तन की भावना व्यक्त करती है।	
प्रश्न-9	**निम्नलिखित पठित गदयांश को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए :-**	**1×5=5**
	ग) बिना माँगे नैहर जाने की अनुमति मिलना	1
	क) भक्तिन की विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था	1
	ख) कथन सही है लेकिन कारण गलत है	1

	घ) उपरोक्त तीनों सही है	1
	ग) शाश्वत वियोग	1
प्रश्न 10	**.पठित गद्य खंड के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर(लगभग 60 शब्दों में) दीजिए-**	**3×2 =6**
	क) . लालच और दिखावे की प्रवृत्ति:- जब मनुष्य अपनी वास्तविक आवश्यकता से अधिक वस्तुएँ खरीदता है, तो यह उसके अहंकार और दिखावे की प्रवृत्ति को दर्शाता है। इस प्रवृत्ति का लाभ व्यापारी उठाते हैं और उपभोक्ताओं को विभिन्न आकर्षणों में फँसा कर अधिक से अधिक खर्च करवाते हैं। . उपभोक्तावाद का बढ़ावा:- अत्यधिक खरीदारी उपभोक्तावाद को जन्म देती है। इससे बाजार की शक्ति उपभोक्ता पर हावी हो जाती है, और मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास बन जाता है। यही शोषण का प्रारंभिक रूप है। इस नैतिक मूल्यों का ह्रास:- जरूरत से ज़्यादा उपभोग करने की आदत व्यक्ति को भोगवादी बना देती है। वह वस्तुओं के मूल्य से अधिक उनके बाहरी आकर्षण को महत्व देता है। परिणामस्वरूप समाज में संयम, सादगी और संतोष जैसे मूल्यों का पतन होता है। . आर्थिक असमानता में वृद्धि:- अमीर वर्ग की अति-खरीदारी से बाजार में वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं, जिससे गरीब या मध्यम वर्ग की पहुँच उन वस्तुओं तक नहीं रह जाती। यह भी एक प्रकार का आर्थिक शोषण है।	
	ख) लुट्टन पहलवान अपने बेटों की मृत्यु और महामारी के दुख के बावजूद ढोल बजाता रहा, क्योंकि वह अपने सामाजिक दायित्व को व्यक्तिगत शोक से ऊपर रखता है। यह संदेश देता है कि समाजहित, कर्तव्य और सामूहिक भावना व्यक्तिगत दुख से बड़ी होती है। यह दृढ़ता और आत्मबल का प्रतीक है।	

	ग) भीमराव आंबेडकर एक ऐसे समाज की कल्पना करते हैं जहाँ समानता, न्याय और भाईचारा हो। उनका आदर्श समाज जाति, ऊँच-नीच और भेदभाव से मुक्त है। वे शिक्षा, स्वतंत्रता और आत्मसम्मान को सामाजिक परिवर्तन का आधार मानते हैं ताकि हर व्यक्ति गरिमा के साथ जीवन जी सके।	
प्रश्न.11	**पठित गद्य खंड के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर(लगभग 60 शब्दों में) दीजिए-**	**3×2 =6**
	क) i)डॉ. आंबेडकर का मानना था कि जाति-प्रथा जन्म पर आधारित है, न कि योग्यता या पसंद पर। इसमें व्यक्ति की स्वतंत्रता और समानता का अभाव है। इसलिए यह न्यायसंगत श्रम-विभाजन नहीं, बल्कि सामाजिक भेदभाव है। (ii) जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि मनुष्य के प्रशिक्षण एवं उसकी निजी क्षमता पर विचार किए बिना किसी दूसरे के द्वारा उसके लिए व्यवसाय निर्धारित कर दिया जाए। (iii) जाति-प्रथा मनुष्य को जीवनभर के लिए एक व्यवसाय में बाँध देती है। मले ही वह व्यवसाय उसके लिए अनुपयुक्त या अपर्याप्त क्यों न हो? भले ही इससे उसके भूख से मरने की नौबत आ जाए।	
	ख) शिरीष को *'अद्भुत अवधूत'* इसलिए कहा गया है क्योंकि वह संसार की मोह-माया से मुक्त, निडर और स्वतंत्र स्वभाव का व्यक्ति है। वह प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीता है और जीवन के प्रति उसकी दृष्टि आध्यात्मिक तथा सरल है।	
	ग) *'गगरी फूटी बैल पियासा'* से लेखक का आशय जीवन की उस विडंबना से है जहाँ साधन होने पर भी मनुष्य अपनी मूल आवश्यकताओं से वंचित रहता है। यह समाज की असमानता और मानवीय संवेदनाओं के अभाव को दर्शाता है।	

प्रश्न 12	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर(लगभग 100 शब्दों में) दीजिए-**	**5×2 =10**
	क) सभी सही उत्तर को अंक दिये जाए	
	ख) सभी सही उत्तर को अंक दिये जाए	
	ग) सभी सही उत्तर को अंक दिये जाए	